हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 11 अगस्त 2025

11 विधायक सांगवान के नेतृत्व में भाजपाइयों ...

12 क्लब ने नांगल गांव की स्वच्छता को लगाए पंख...

खबर संक्षेप

श्रीश्याम सुंदर ज्योति मंडल का भंडारा 13 से

लोहारू। गोगा नवमी पर गोगामेड़ी जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए श्रीश्याम सुंदर ज्योति मंडल द्वारा हमेशा की तरह इस बार भी शहर के दादरी रोड पर मलवाणा धाम के पास निःशुल्क भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंडल के अध्यक्ष सुभाष सैनी ने बताया कि पांच दिनों तक चलने वाला यह भंडारा 13 अगस्त को शुरू होगा। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष शहर वासियों के सहयोग से शहर के दादरी रोड पर यह निःशुल्क भंडारा लगाया जाता है

झुप्पा कलां में गोगाजी का मेला 17 को लगेगा

लोहारू/भिवानी। झुप्पा कला में आगामी 17 अगस्त को होने वाले गोगाजी मेले की तैयारियों को लेकर कई गांवों के सरपंचों की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। बैठक में मेले की तैयारियों पर चर्चा की गई और मेले रूपरेखा तय की गई। झुपा कलां में गिगनाऊ, झुंपा कलां, झुंपा खुर्द, बारवास, बिसलवास, खेड़ा ढोला, ढाणी गागड़वास और बसीरवास सहित 9 गांवों के सरपंचों और प्रतिनिधियों ने बैठक में हिस्सा लिया। गांव झुंपा कलां के सरपंच प्रतिनिधि मीर सिंह नंबरदार ने बताया कि मेले के दौरान खेलों को बढ़ावा देने के लिए विशाल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रथम पुरस्कार विजेता को 31 हजार, दूसरे स्थान पर रहने वाले पहलवान को 21 हजार तथा तीसरे स्थान के लिए 11 हजार रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा। लड़कियों की भी कुश्ती प्रतियोगिता होगी। बैठक के बाद नौ गांवों के सरपंचों और प्रतिनिधियों ने गांव झुंपा कलां की श्याम बगीची में एक-एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

पुलिस ने 510 ग्राम गांजे सहित युवक को दबोचा

चरखी दादरी। पुलिस ने एक मकान से युवक को 510 ग्राम गांजा सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक की पहचान राहुल उर्फ मोटा के रूप में हुई है, जिसको कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस प्रवक्ता योगेश ने बताया कि शुक्रवार को एएसआई कुलदीप के नेतृत्व में डॉग स्कवॉयड टीम ने बाल्मीकि बस्ती में सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस को सूचना मिली कि शहर के सैनीपुरा गर्ल्स स्कूल के समीप युवक नशीला पदार्थ बेचता है। सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस ने मकान में छापेमारी की, जहां युवक बैठा हुआ मिला। मकान में तलाशी के दौरान प्लास्टिक थैली में 510 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

बर्बाद फसलों की होगी विशेष गिरदावरी, पानी की निकासी के लिए लगेंगे अतिरिक्त पम्पसेट

विधायक कपूर वाल्मीकि ने विशेष गिरदावरी के लिए मुख्यमंत्री सैनी से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

जल्द ही किसानों को प्रकृति ने दिए जख्मों पर मलहम लगाई जाएगी। भारी बारिश व जमा पानी से बर्बाद हुई फसलों की जल्द ही विशेष गिरदावरी शुरू होने वाली है। साथ ही जिन इलाकों में पानी की निकासी के लिए अतिरिक्त पम्पसेट लगवाने पड़े तो मांग के तत्काल बाद लगवा दिए जाएंगे। उक्त भरोसा विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने उनके आवास पर पहुंचे अनेक गांवों के किसानों को दिलाया। साथ ही विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने बताया कि वे बवानीखेड़ा हलके के करीब 30-40 गांवों में जलभराव की समस्या को लेकर सीएम नायब सिंह सैनी से मिले और इन गांवों की फसलों की विशेष गिरदावरी करवाए जाने की गुजारिश की। जिस पर सीएम नायब सिंह सैनी ने तत्काल हामी भर दी।

सीएम नायब सिंह सैनी ने भरोसा दिलाया कि बवानीखेड़ा हलके के जितने भी गांवों में पानी से फसलें बर्बाद हुई है। उन सभी जल्द से जल्द विशेष गिरदावरी करवाई जाएगी और उनको मुआवजा दिलाया जाएगा। विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने बताया कि सीएम सैनी का बवानीखेड़ा हलके के साथ विशेष लगाव है। उन्होंने हलके के खेतों व गांव में जमा पानी की निकासी के लिए अतिरिक्त पम्प लगवाने के निर्देश दिए है। ताकि लोगों को जमा पानी से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके।

बवानीखेड़ा। सीएम के समक्ष खेतों में जमा पानी से बर्बाद फसलों की विशेष गिरदावरी की मांग रखते और फसलों में जमा पानी देखते विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि।

ड्रेनों की लम्बाई बढ़वाई जाएगी : विधायक

विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने बताया कि बवानीखेड़ा हलके के जिन गांवों में से बरसाती पानी की निकासी के लिए ड्रेन बनाई गई है। उन ड्रेनों की लम्बाई बढवाई जाएगी। उस इलाके तक ले जाया जाएगा। जहां पर पानी का टोटा रहता है। राजस्थान से लगते इलाके के पास तक ले जाया जाएगा। लम्बाई बढ़ने के बाद बार-बार ड्रेन की ओवर होने तथा टूटने की समस्या से छुटकारा मिल सकेगा। फिलहाल इस योजना का खाका तैयार किया जा रहा है।

जल्द ही इस योजना को धरातल पर उतारा जाएगा। इसके लिए अधिकारियों से मंथन जारी है। उन्होंने बताया कि उनके प्रयासों से अब तक करीब 60-70 पम्पसेट लगवाए जा चुके है। सिंचाई विभाग ने जो पम्पसेट लगवाए है वे अतिरिक्त पम्पसेट है। अब जिस इलाके में पम्पसेट की जरूरत है। उस गांव या क्षेत्र के किसान आए तो तत्काल पम्पसेट लगवा कर पानी की निकासी करवाई जा सकेगी।

बवानीखेड़ा। विधायक कपूर वाल्मीकि के निवास स्थान पर अनेक गांवों को लोगों ने पहुंचकर अपनी समस्याओं का बखान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

खेतों में भरे पानी की निकासी को लेकर जाटू लोहारी के किसानों ने विधायक कपूर वाल्मीकि से की भेंट

बवानीखेड़ा। विधायक कपूर वाल्मीकि के निवास स्थान पर अनेक गांवों को लोगों ने पहुंचकर अपनी समस्याओं का बखान किया और अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए उनकी आंखें नम हो गई। इसी दौरान गांव लोहारी जाटू के किसान भी विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि से मिले और गांव के खेतों में जमा पानी की निकासी की मांग की। इस पर विधायक ने जल्द ही पानी की निकासी करवाए जाने का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों ने अपने अपने गांवों में बताया कि मानसूनी बारिश के कारण जगह-जगह पानी जमा है और खेतों में पानी जमा होने से सारी फसलें नष्ट हो गई है। घरों में आने जाने का रास्ता तक नहीं है। लोगों ने बताया कि वे इस पानी की निकासी के चलते अपने घरों में दुबके बैठे है और बच्चे पढ़ाई से वंचित हो गए हैं। वहीं बिजली निगम के साथ राजकीय विद्यालय में भी ताला लग गया है क्योंकि बरसाती व सीवरेज का पानी इसमें जमा हो गया है इसके चलते किसी अन्य विद्यालय में कक्षाएं लगाने को बच्चों को मजबूर होना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि कुछ नेताओं द्वारा भी केवल उनका मजाक करने के लिए ही निरीक्षण किया जा रहा है केवल सता पक्ष को आड़े हाथों लेकर दो चार डायलॉग बोलकर ऐसे नेता वापिस चले जाते हैं लेकिन समस्या का समाधान नहीं करते। लोगों की मानें तो इस घड़ी में पक्ष-विपक्ष दोनों को जनता की मदद करनी चाहिए। विधायक कपूर वाल्मीकि ने सभी की पीड़ा को दिल से सुना और बताया कि मुख्यमंत्री से मिलकर सभी विभागों के अधिकारियों को आदेश दिए हैं कि बरसाती पानी व सीवरेज प्रणाली की व्यवस्था को दुरूस्त किया जाए। प्राकृतिक आपदा से निपटने में समय लगता है।

भिवानी। सीएफसी सेंटर का शिलान्यास करते नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह। फोटो : हरिभूमि

स्कूली बैग की दुकान में लगी आग, दुकानों के शीशे चटके

- कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया
- आग की लपटें शांत होने के बाद दुकान का जेसीबी से तोड़ा गया शटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

अज्ञात कारणों के चलते हांसी गेट स्थित एक स्कूली बैग की दुकान में आग लग गई। आग से लाखों रुपये के बैग जलकर खाक हो गए। जिस वक्त दुकान मालिक को जानकारी मिली। उस वक्त तक अधिकांश बैग जल कर राख हो गए। आग की लपटों से क्षेत्र में तापमान इतना बढ गया कि आसपास की

भिवानी। अल सुबह आग की उठती लपटों को अपने मोबाइल में कैद करते युवक। फोटो : हरिभूमि

अनेक दुकानों के बंद शटर में भी शीशे चटक गए। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

आग की लपटें शांत होने के बाद दुकान का जेसीबी से शटर तोड़ा और सामान को बाहर निकालना शुरू किया। जानकारी के अनुसार हांसी गेट स्थित एक बैग की तीन मंजिला शौरूम में आग लग गई यह वाक्या करीब 2 से ढाई बजे के बीच का है। उस वक्त आसपास के मकानों में रहने वाले लोगों ने धूआ उठता दिखाई दिया। कुछ देर बाद बैग हाऊस से आग की लपटें निकलने लगी। पड़ौसियों ने इस बारे में दुकान मालिक को सूचना दी। सूचना मिलते ही दुकान मालिक मौके पर पहुंचे। उन्होंने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया,लेकिन बात नहीं बनी। उसके बाद फायर बिग्रेड को सूचना दी।सूचना मिलते ही अग्निशमन का दस्ता मौके पर पहुंचा। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग की लपटों को शांत किया गया। आग की लपटें शांत होने के बाद जेसीबी मशीन बुलाई गई और शौरूम के शटर तोड़कर सामान को जेसीबी की मदद से बाहर निकालना आरंभ किया। आग की लपटों में दुकान में रखे अधिकांश बैग जल कर राख हो चुके थे।

पड़ोसियों को भी नुकसान

दुकान में लगी आग की लपटें इतनी तेज भी कि आसपास इलाके का तापमान में बेहताशा बढ़ोतरी हो गई। तापमान ज्यादा होने से आसपास की दुकानों के बंद शटर में ही शीशे चटक गए। दुकानदारों को इसकी जानकारी सुबह लगी। जब वे दुकान पर पहुंचे और दुकान का शटर खोल कर देखा। दुकानों के मुख्य गेट व आसपास के शीशे चटके हुए पाए गए। आसपास के दुकानदारों को भी आग से हजारों रुपये का नुकसान हुआ है।

वार्ड 19 में खुलेगा नया सीएफसी सेंटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- चेयरमैन प्रतिनिधि भवानी प्रताप ने किया शिलान्यास
- सीएफसी सेंटर से लोगों को मिलेंगी सरकारी सुविधाएं : गोठवाल

वार्ड नंबर-19 के निवासियों के लिए एक नई सुविधा का शिलान्यास किया। यह सुविधा है एक नया सीएफसी (सिटीजन फैसिलिटेशन सेंटर), जिसका शिलान्यास नगर परिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप ने नारियल फोडक़र किया। यह सेंटर नागरिकों को सरकारी सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करेगा। यह जानकारी देते हुए वार्ड नंबर-19 के पार्षद शिवकुमार गोठवाल ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य आम जनता को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ उनके घर के करीब ही उपलब्ध कराना है।

यह सेंटर सरकारी प्रक्रियाओं को और भी सरल और सुलभ बनाएगा। उन्होंने बताया कि इस नए सीएफसी सेंटर में, नगर परिषद की ओर से एक कंप्यूटर ऑपरेटर नियुक्त किया जाएगा। यह ऑपरेटर सरकारी दरों पर विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र बनाने और पेंशन से संबंधित सुविधाएं प्रदान करने में लोगों की मदद करेगा। इससे वार्ड 19 और आसपास के लोगों को सरकारी काम करवाने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

इस मौके पर रोहताश वर्मा, राम सिंह वैद, कुलदीप तंवर, रामकेश ठेकेदार, रमेश वर्मा, टोनी सांगवान, मनबीर सिंह नैन, सोनू शर्मा, आकाश शर्मा, सागर यादव, गोलू बाणिया, सुमेर जांगड़ा, सतबीर खन्ना आदि मौजूद रहे।

बलजीत कौर 'तन्हा' को 19वां राजेश चेतन काव्य पुरस्कार, कवि सम्मेलन में बही राष्ट्रभक्ति की धारा

भिवानी। जानी-मानी हास्य कवि, जीवन पर यथार्थवादी टिप्पणीकार और अभिनेत्री बलजीत कौर 'तन्हा' को 19 वां प्रतिष्ठित राजेश चेतन काव्य पुरस्कार प्रदान किया गया है। उच्च स्तरीय समिति ने अनेक प्रतिभाशाली कवियों, साहित्यकारों में से बलजीत कौर का चयन किया। कीर्ति नगर स्थित सांस्कृतिक सदन में भव्य कार्यक्रम में यह पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत वीर रस की प्रस्तुति ने उपस्थित सभी अतिथियों, दर्शकों के रोम- रोम को चेतन, उद्वेलित कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्ष नीता चावला व महासचिव रणविजय सिंह ने बताया कि राजेश चेतन काव्य पुरस्कार में 21 हजार रुपए, शॉल, स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र प्रदान किए गए। डॉक्टर कीर्ति काले ने अपने गीत को कुछ इस अंदाज में कहा - हमारी धड़कनों में देश का जयगान रहता है,नजर में तीन रंगों का सदा सम्मान रहता है।

बहुतकनीकी संस्थान में खाली सीटों के लिए दाखिला प्रक्रिया जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

- रानी झांसी लक्ष्मी बाई राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, लोहारू में अभी भी बहुत सी सीटे खाली हैं

रानी झांसी लक्ष्मी बाई राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, लोहारू में 360 स्वीकृत सीटों (सिविल/कंप्यूटर/मैकेनिकल/इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग/इलेक्ट्रिकल/डीएमएलटी) में से बची हुई रिक्त सीटें अब संस्थान स्तर की मैन्युअल ओपन काउंसलिंग के द्वारा भरी जा रही है। इच्छुक अभ्यर्थी संस्थान में व्यक्तिगत रूप से आ कर आवेदन फार्म जमा करा सकते हैं। संस्थान प्राचार्या अन्शु भल्ला व दाखिला इंचार्ज शशि भूषण ने बताया कि आवेदन फॉर्म संस्था की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। अभ्यर्थियों का पहले से बना रैंक अगर कोई है तो वह रैंक, इस संस्थान स्तर की काउंसलिंग के लिए मान्य नहीं होगा। अभ्यर्थी जिन्होंने पहले से ऑनलाइन आवेदन किया हुआ है और जिनका रैंक भी बना हुआ है, उनको भी इस संस्थान स्तर की मैनुअल काउंसलिंग में भाग लेने के लिए नया आवेदन फार्म भरना जरूरी है। प्राचार्य ने बताया कि डिप्लोमा करने के बाद भविष्य में रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। संस्थान में पढ़ने वाले छात्र सरकार द्वारा चलाई गई विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ भी उठा सकते हैं। साथ ही संस्थान में छात्रों के लिए दो छात्रावास भी हैं।

स्कूलों में जाकर बच्चों को किया जा रहा जागरूक: सतीश माँढ़ी

गौरैया बचाओ अभियान ने पकड़ी रफ्तार, युवा हो रहे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

- पर्यावरण एवं पक्षी प्रेमी सतीश मांढी का अब अन्य युवा भी खुलकर साथ देने लगे
- शहरीकरण, मोबाइल टावरों से निकलने वाली रेडिएशन, और पुराने घरों का नष्ट होना प्रमुख कारण

एक समय था जब हर आंगन में फुदकने वाली गौरैया पक्षी अब विलुप्ति की कगार पर है। इसी चिंता को देखते हुए देशभर में गौरैया बचाओ अभियान एक जन आंदोलन बनता जा रहा है। इसी अभियान में जुटे पर्यावरण एवं पक्षी प्रेमी सतीश मांढी को अब अन्य युवा भी खुलकर साथ देने लगे हैं।

सतीश माँढ़ी ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा है गौरैया की संख्या में लगातार गिरावट का प्रमुख कारण है शहरीकरण, मोबाइल टावरों से निकलने वाली रेडिएशन, और पुराने घरों का नष्ट होना। अब इन्हें बचाने के लिए हर स्तर पर प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने कहा है लकड़ी के कृत्रिम घोंसले बनाकर घरों में लगवाए जा रहे हैं, बच्चों को स्कूलों में जागरूक किया जा रहा है, और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को

इस नन्ही चिडिय़ा की अहमियत बताई जा रही है। पक्षी प्रेमी सतीश माँढ़ी ने अपील की है कि हर व्यक्ति अपने घर की बालकनी या छत पर एक छोटा घोंसला और पानी का पात्र रखें ताकि ,गौरैया को सुरक्षित और अनुकूल वातावरण मिल सके। शिक्षा प्रेरक संघ प्रदेशाध्यक्ष मास्टर विनोद माँढ़ी ने बताया कि सतीश माँढ़ी पिछले तीन साल से पर्यावरण संरक्षण हेतु पेड़ पौधे लगाकर उनकी देखभाल करते आ रहे हैं और अपने साथ -साथ अन्य लोगों को भी पौधे उपल4ध करवाकर उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का काम भी कर रहे हैं। इसके साथ -साथ उनका पक्षी प्रेम भी इसी बात से देखा जा सकता है कि हर रोज गौरैया बचाओ अभियान मुहिम के तहत उनके लिए दाना पानी की व्यवस्था करने के साथ ही गांव व शहर में लकड़ी के बने घोंसले लगवा रहे हैं, ताकि विलुप्त होती जा रही गौरैया को बचाया जा सके। एक समय था जब सब इस मुहिम को मजाक मान रहे थे परंतु उनकी सच्ची श्रद्धा और पक्षियों के प्रति प्रेम ने इसे साबित कर दिया है कि कोई काम मुश्किल नहीं होता।

घोंसले लगाए जाएंगे

सतीश ने घर से इसकी शुरुआत की थी और आज उसके घर में लगे सैकड़ों घोंसलों में हजारों की संख्या में गौरैया पक्षियों की चहचहाहट सुनी जा सकती है। सतीश कुमार के हौसले को देखकर इस अभियान में अन्य ग्रामीण युवाओं का भी साथ मिलने लगा है। अब सभी ने मिलकर निर्णय लिया है कि पूरे गांव में लकड़ी से बने घोंसले लगाए जाएंगे, ताकि गौरैया बचाओ अभियान को सफलता मिल सके।

केएन स्कूल में आज होगा सांस्कृतिक टीमों का चयन

चरखी दादरी। स्वतंत्रता दिवस के लिए सांस्कृतिक टीमों का चयन आज 11 अगस्त सोमवार को नौ बजे केएन स्कूल में किया जाएगा। जिले का कोई भी शिक्षण संस्थान चयन प्रक्रिया में भाग ले सकता हैं। कमेटी के सदस्य सचिव एवं डीआईपीआरओ संदीप हुड्डा ने बताया कि 79वे स्वतंत्रता दिवस पर नई अनाजमंडी में जिला स्तरीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में भव्य परेड, पीटी व डम्बल शो का प्रदर्शन होगा। इसके बाद विभिन्न टीमों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।

चयन के लिए कमेटी गठित

उन्होंने बताया कि उपायुक्त मुनीश शर्मा के आदेश पर एसडीएम योगेश सैनी की अध्यक्षता में सांस्कृतिक टीमों के चयन के लिए कमेटी गठित की, जिसमें डीआईपीआरओ सदस्य सचिव, डीईओ वीरेंद्र नारा और महिला बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी गीता सहारण को शामिल किया है। गठित कमेटी 11 अगस्त को सुबह 9 बजे से सांस्कृतिक टीमों का चयन करेगी।

अग्नि पथ योजना के तहत नौकरी पाकर बनाएं करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

अगर आप भी भारतीय सेना में शामिल होना चाहते हैं मगर अग्निवीर योजना क्या है? आपको इस बारे में कोई जानकारी नहीं है तो परेशान ना हो। आज हम आपको इस बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध करवा रहे हैं। आपको बता दे कि सेना के तीनों अंगों में अब भर्तियां अग्नि वीर योजना के तहत की जाती है। सरकार की तरफ से एक नई योजना शुरू की गई है जिसका नाम है अग्निपथ योजना। इस योजना के तहत युवाओं को हमारे देश की तीनों सेनाओ, आर्मी, नेवी और एयरफोर्स में नौकरी दी जाती है। अग्नि वीर योजना की योग्यता, भर्ती प्रक्रिया और वेतन के साथ मिलने वाले फायदे आदि के बारे में समझते हैं।

क्या है योजना

इस योजना के तहत नियुक्ति पाने वाले उम्मीदवारों को अग्नि वीर कहा जाता है तथा सरकार की इस स्कीम में रिटायरमेंट का प्रावधान है। केंद्र सरकार का कहना है कि रिटायरमेंट के बाद अग्निवीर खुद का कारोबार करने से लेकर नौकरी तक कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें राज्य सरकारों की तरफ से सहायता भी मिलेगी। अग्निपथ स्कीम के तहत भर्ती होने वाले सेना के जवानों को अग्निवीर कहा जाएगा। हालांकि शुरुआत में इस योजना का कड़ा विरोध किया गया था। योजना के तहत जवानों की आयु सीमा 17.5 साल से 21 साल तय की गई है। ऐसे में बहुत से युवाओं का सेवा में शामिल होने का सपना टूट गया, जिसको लेकर भयंकर आक्रोश देखा गया।

क्या होती है प्रक्रिया

अग्निपथ योजना के माध्यम से अब आठवीं, दसवीं व बारहवीं पास युवाओं को सेना के तीनों अंगों थल सेना, जल सेना या नौसेना, वायु सेना में अग्निवीर के रूप में 4 साल तक पेशेवर सैनिक के रूप में सेवा देने का अवसर दिया जाएगा। इसके तहत भविष्य में मेरिट और संगठन की जरूरत को देखते हुए 25 प्रतिशत तक अग्निवीर सैनिकों को सेना में 4 वर्ष की सेवा के बाद भी रिटेन किया जाएगा। वहीं चार साल की नौकरी के बाद बाकी के 75 प्रतिशत युवाओं को एक मुश्त राशि के साथ-साथ सरकार की ओर से तकनीकी योग्यता का सर्टिफिकेट दिया जाएगा, जिससे उन्हें भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में क्षमता अनुसार नौकरी पाने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही सभी उम्मीदवार नियमित संवर्ग में भर्ती के लिए वॉलन्टियर के रूप में भी आवेदन कर सकते हैं।

अग्नि वीर भर्ती प्रक्रिया

अगर इस बारे में बात करें की अग्निपथ योजना के तहत उम्मीदवारों की नियुक्ति किस प्रकार होगी तो आपको बता दें कि अग्निपथ भर्ती योजना के तहत उम्मीदवारों की भर्ती दो चरणों में की जाएगी। जिसमें पहले चरण में ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा द्वितीय चरण में भर्ती रैली का आयोजन होगा। अग्निपथ पात्रता मानदंड के मुताबिक अग्निपथ भर्ती योजना के लिए आवेदन देने वाले युवाओं की न्यूनतम आयु 17 साल 6 महीने और अधिकतम आयु 21 साल निर्धारित की गई है। अग्निपथ भर्ती योजना के तहत युवाओं को ट्रेनिंग पीरियड के साथ कुल 4 वर्षों के लिए शस्त्र सेवा बल में फुल टाइम काम करने का अवसर मिलेगा, जिसके लिए भर्ती सेना के तय नियमानुसार ही की जाएगी।

महिलाएं भी कर सकती हैं आवेदन

तीनों अंगों में होती भर्ती

इस योजना की विशेषता ये है कि इस योजना के तहत न केवल पुरुष, बल्कि महिलाएं भी आवेदन कर सकती हैं। युवा इस योजना के माध्यम से सेना के तीनों प्रमुख अंग यानि कि थल सेना, वायु सेना और नौ सेना में नियुक्ति पा सकते हैं और देश सेवा कर सकते हैं। अगर हम अग्नि वीर की सैलरी के बारे में बात करें तो उन्हें कई तरह के भत्ते और वेतन दिया जाता है। अग्निवीरों को तीन सेवाओं में जोखिम और कठिनाई भत्ते के साथ एक आकर्षक कस्टमाइज्ड मासिक पैकेज मिलता है। चार साल की सेवा अवधि पूरी होने पर, अग्निवीरों को एकमुश्त 'सेवा निधि' पैकेज की पेमेंट की जाती है। सेवा निधि राशि इनकम टैक्स से फ्री होती है।

इस प्रकार मिलती है सैलरी

वहीं अग्निपथ स्कीम सैलरी की बात करें, तो अग्निपथ स्कीम के तहत पहले साल युवाओं को 30 हजार रूपए प्रति महीने दिए जाएंगे, जिसमें से लगभग 9000 रूपए उनकी मासिक आय से काट ली जाएगी और उसे उनके बचत खाते में जमा किया जाएगा। इसके बाद उतना ही हिस्सा सेना भी उनकी सेविंग में जमा करेगी। हर साल सैलरी बढ़ने के साथ-साथ बचत खाते में जमा की जाने वाली रकम मैं भी बढ़ोतरी होगी। साथ ही 4 साल बाद जब ये युवा सेना से रिटायर होंगे, तब उन्हें लगभग 11,70,000 सेवा निधि के रूप में प्रदान किए जाएंगे। अग्निवीरों का वेतन पैकेज पहले वर्ष 4.76 लाख रुपये व अंतिम वर्ष का पैकेज 6.92 लाख रुपये होगा। इसके अतिरिक्त सेना ऐसे युवाओं कों एक विशेष सर्टिफिकेट भी प्रदान करेगी जिसकी वजह से उन्हें विभिन्न पदों पर नौकरी पाने में मदद मिलेगी।

सैलरी के अलावा अग्निवीर योजना के फायदे

विभिन्न राज्यों ने अग्निवीरों को सेवाओं में प्राथमिकता देने के बारे में कहा भी हैं। इन सब के अलावा अग्निवीरों का 48 लाख रुपए का गैर-अंशदाई जीवन बीमा भी किया जाएगा। इस प्रकार अग्नि वीरों को कई तरह के बेनिफिट दिए जाएंगे। वहीं यदि सेवा के दौरान किसी की मृत्यु हो जाती है, तो जवान के परिवार को 44 लाख रुपये दिए जाएंगे। इन 44 लाख रुपयों के अलावा सरकार ऐसे शहीदों के बचे हुए सेवाकाल (अधिकतम 4 साल) के वेतन को भी प्रदान करेगी। साथ ही अग्निपथ योजना के माध्यम से भर्ती हुए जवानों को मिलने वाली सेवानिधि भी, शहीद के परिवार को प्रदान कर दी जाएगी।

बी-कॉम तीन वर्षों की स्नातक डिग्री, चमका सकती है आपका करियर

बी कॉम के बाद करियर के विकल्प : सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में सुनहरे अवसर मौजूद

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

वित्तीय प्रबंधन व कॉर्पोरेट जगत की समझ दे रही

स्टार्टअप
- बिज़नेस डेवलपमेंट ट्रेनी
- अकाउंट्स ऑपरेटर
- एडमिन सहायक

अक्सर देखने में आता है कि बी-कॉम करने के बाद छात्र करियर को लेकर काफी संजीदा हो जाते हैं। जेहन में कई तरह के साल उठते हैं कि अब क्या करें। यानी करियर कैसे बनाएं। अगर आपने भी बी-कॉम किया है तो घबराएं नहीं और सरकारी और निजी क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाते हुए आपने करियर को नई उड़ान दें। इससे आप आपने सुनहरे भविष्य को चमका सकते हैं। बैचलर ऑफ कॉमर्स यानी बी-कॉम तीन वर्षों की एक स्नातक डिग्री है, जो छात्रों को व्यवसाय, वित्तीय प्रबंधन और कॉर्पोरेट वातावरण की मूलभूत समझ देती है। इस कोर्स में विभिन्न विषयों का अध्ययन कराया जाता है।

फाइनेंसियल एकाउंटिंग, कॉस्ट एकाउंटिंग, मैनेजमेंट एकाउंटिंग, इनकम टैक्स लॉ, जी एस टी, बैंकिंग और बीमा, बिज़नेस लॉ, कंपनी लॉ, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, लेखा परीक्षा, ई-कॉमर्स, कंप्यूटर एप्लीकेशन और व्यापार संचार में अपार संभावनाएं

जैसे फाइनेंसियल एकाउंटिंग, कॉस्ट एकाउंटिंग, मैनेजमेंट एकाउंटिंग, इनकम टैक्स लॉ, जी एस टी, बैंकिंग और बीमा, बिज़नेस लॉ, कंपनी लॉ, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, लेखा परीक्षा, ई-कॉमर्स, कंप्यूटर एप्लीकेशन और व्यापार संचार। वहीं, बी कॉम ऑनर्स पाठ्यक्रम इन विषयों का और अधिक गहन अध्ययन कराता है, जहां छात्र किसी एक विषय में विशेषज्ञता प्राप्त करते हैं जैसे कि फाइनेंस, टैक्सेशन, बैंकिंग या अकाउंटिंग। बी-कॉम का यह बहुआयामी ढांचा छात्रों को उच्च शिक्षा, सरकारी सेवाओं और कॉर्पोरेट नौकरियों की तैयारी के लिए उपयुक्त बनाता है।

इंडस्ट्री स्किल्स की भूमिका : एक आवश्यक पूरक

बी-कॉम की शैक्षणिक पृष्ठभूमि एक मजबूत आधार देती है, लेकिन जब तक छात्र व्यावहारिक और इंडस्ट्रियल स्किल्स नहीं विकसित करते, तब तक कॉर्पोरेट दुनिया में प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो सकता है। इसलिए वर्तमान समय में कंपनियां उन उम्मीदवारों को प्राथमिकता देती हैं जो अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ तकनीकी दक्षताओं से भी लैस हों। चाहे वह एक फर्म में अकाउंटेंट की नौकरी हो या किसी स्टार्टअप में ऑपरेशंस की भूमिका, हर जगह कुशलता की मांग है।

इंडस्ट्री के लिए आवश्यक कौशल

प्रभावशाली संवाद कौशल
- **डिजिटल दक्षता:** एम एस एक्सेल, टैली, क्विक बुक्स
- डेटा अनालिसिस एवं एम आई एस रिपोर्टिंग
- कार्य योजना और समय प्रबंधन
- प्रोफेशनल एटीकेट्स और ईमेल लेखन
- बेसिक बिजनेस एथिक्स और ग्राहक सेवा दृष्टिकोण
- ये सभी स्किल्स आज ऑनलाइन

निजी क्षेत्र में जॉब के लिए ऑप्शन
- एकाउंटिंग फर्म
- जी एस टी असिस्टेंट
- टैक्स क्लर्क
- जूनियर अकाउंटेंट

निजी क्षेत्र में करियर विकल्प

निजी क्षेत्र में बीकॉम डिग्रीधारकों के लिए जॉब प्रोफाइल की व्यापकता दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। अकाउंटिंग, टैक्सेशन, बैंकिंग, बीमा, रिटेल, डिजिटल मार्केटिंग, सप्लाई चेन, ह्यूमन रिसोर्सेज और एडटेक जैसे क्षेत्रों में रोजगार के बेहतरीन अवसर उपलब्ध हैं। अगर वेतन की बात करे तो, निजी क्षेत्र में बीकॉम डिग्री धारको के लिए आरंभिक वेतनमान 18,000–30,000 रुपये मासिक के बीच होता है। वहीं अनुभवी प्रोफेशनल्स 40,000–80,000 रुपये मासिक या उससे अधिक कमा सकते हैं।

कॉरपोरेट सेक्टर
- एमआई एस एग्जीक्यूटिव
- अकाउंट्स असिस्टेंट
- रिक्रूटमेंट कोऑर्डिनेटर

डिजिटल व ई-कॉमर्स
- डिजिटल मार्केटिंग ट्रेनी
- सोशल मीडिया सहायक
- एसइओ विश्लेषक

बीमा व वित्त संस्थान
- लोन प्रोसेसिंग ऑफिसर
- सेल्स रिलेशनशिप मैनेज

बीपीओ / केपीओ
- डाटा विश्लेषक
- बैंक ऑफिस सहायक
- ग्राहक सेवा कार्यकारी

सरकारी क्षेत्र में नौकरी के ऑप्शन

सरकारी क्षेत्र में बीकॉम डिग्रीधारकों के लिए नौकरियों की संख्या एवं विविधता अत्यंत अधिक है। बैंकिंग, बीमा, डाक विभाग, रेलवे, रक्षा सेवाएं, कर्मचारी चयन आयोग और संघ लोक सेवा आयोग जैसी संस्थाएं हर वर्ष हजारों रिक्तियां जारी करती हैं। सरकारी क्षेत्र में एक बीकॉम डिग्री धारक को प्रारंभिक वेतनमान 30,000–45,000 रुपये मासिक मिल सकता है। वहीं अनुभव के साथ यह वेतन 70,000–1,20,000 रुपये मासिक तक संभव है।

इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

बैंकिंग और बीमा क्षेत्र
- एसबीआई प्रोबेशनरी अफसर /क्लर्क
- आईबीपिएस प्रोबेशनरी अफसर/क्लर्क
- आरआरबी ऑफिस असिस्टेंट
- एलआईसी अकाउंट अफसर
- असिस्टेंट मैनेजर

यूपीएससी सेवाएं
- आईऐएस
- आईपीएस
- आईईएस
- आईआरएस

राष्ट्रीय एवं राज्य स्टाफ सिलेक्शन कमीशन
- इनकम टैक्स असिस्टेंट
- ऑडिटर
- अकाउंटेंट
- ग्राम सचिव
- जूनियर अकाउंटेंट
- टैक्स इंस्पेक्टर

रक्षा सेवाएं
- लेफ्टिनेट
- आर्मी एजुकेशन कोर अफसर
- अकाउंट अफसर
- एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर
- लोजिस्टिक्स सप्लाई अफसर
- टेरीटोरियल आर्मी अफसर

डाक विभाग
- पोस्टल असिस्टेंट
- सॉर्टिंग असिस्टेंट

भारतीय रेलवे
- अकाउंट्स क्लर्क
- जूनियर टाइमक कीपर

उच्च अध्ययन के विकल्प

पाठ्यक्रम	विवरण
चार्टर्ड अकाउंटेंसी	आईसीऐआई द्वारा संचालित, लेखा और टैक्स विशेषज्ञता
कंपनी सेक्रेटरी	आईसीएसआई द्वारा संचालित, कॉर्पोरेट लॉ और कंपनी गवर्नेंस
कॉस्ट मैनेजमेंट	अकाउंटेंट लागत नियंत्रण व प्रबंधन के लिए
एमबीए	प्रबंधन के क्षेत्र में वरिष्ठ पदों हेतु
एम कॉम	शिक्षा, शोध के लिए आवश्यक
एलएलबी	टैक्स लॉ, कॉर्पोरेट लॉ में करियर हेतु

संभावनाओं का समंदर

बी कॉम सिर्फ एक डिग्री नहीं बल्कि संभावनाओं का समंदर है। अगर छात्र इस पाठ्यक्रम को ईमानदारी और व्यावसायिक दृष्टिकोण से करें, आवश्यक कौशलों का निर्माण करें, और लक्ष्य को लेकर स्पष्ट रहें, तो वे नौकरी, व्यवसाय, या उच्च शिक्षा, किसी भी मार्ग में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

करियर काउंसलर से सलाह लें

किसी भी करियर को चुनने से पहले करियर काउंसलर से सलाह लेना फायदेमंद होता है, ताकि आप अपनी रुचियों और क्षमताओं के अनुसार सही निर्णय ले सकें। अधिक जानकारी के लिए आप **www.careerjaano.com** पर विजिट कर सकते हैं।

सर्वश्रेष्ठ करियर पथ और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को प्राथमिकता जरूरी

मोटिवेशनल
डॉ. दिव्या तंवर

आज के युग में, जहां प्रतिस्पर्धा और अवसर दोनों ही चरम पर हैं, छात्रों के सामने अपने करियर का सही रास्ता चुनने की चुनौती होती है। इसके साथ ही, मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। एक संतुलित और सकारात्मक जीवन जीने के लिए, करियर और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। यह लेख छात्रों को प्रेरित करने और उनके सपनों को साकार करने में मदद करने के लिए है, साथ ही यह भी समझाने के लिए कि मानसिक स्वास्थ्य उनके करियर की नींव है। हर छात्र का एक सपना होता है। कोई डॉक्टर बनना चाहता है, कोई इंजीनियर, तो कोई कलाकार। लेकिन सपनों को हकीकत में बदलने के लिए सही दिशा और मेहनत की जरूरत होती है। सपनों को सच करने के लिए मेहनत और विश्वास चाहिए।

अपनी ताकत और कमजोरियों को जानें

उदाहरण: डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, एक साधारण परिवार से निकलकर भारत के मिसाइल मैन और राष्ट्रपति बने। उनकी मेहनत और विज्ञान के प्रति समर्पण ने उन्हें देश का गौरव बनाया। अपने सपनों को पंख दें, जैसे कलाम साहब ने दिए! करियर चुनते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखें।

अपनी रुचि को पहचानें: करियर का चुनाव करते समय सबसे पहले यह समझें कि आपको किस क्षेत्र में रुचि है। क्या आपको विज्ञान, कला, तकनीक या सामाजिक कार्य पसंद है? अपनी रुचि को समझकर आप उस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं, जहां आपका मन लगे।

अपने कौशल का मूल्यांकन करें: हर व्यक्ति में कुछ खास प्रतिभाएं होती हैं। अपनी ताकत और कमजोरियों को जानें। अगर आप गणित में अच्छे हैं, तो डेटा साइंस या इंजीनियरिंग आपके लिए बेहतर हो सकता है। अगर आप रचनात्मक हैं, तो डिजाइनिंग या लेखन जैसे क्षेत्र आपके लिए उपयुक्त हो सकते हैं।

मार्गदर्शन लें: शिक्षकों, माता-पिता, या करियर काउंसलर से सलाह लें। आजकल ऑनलाइन कई संसाधन उपलब्ध हैं, जैसे कि करियर टेस्ट और विशेषज्ञों की सलाह, जो आपको सही दिशा दिखा सकते हैं।

लंबे समय के लिए सोचें: करियर चुनते समय केवल तात्कालिक लाभ न देखें। यह सोचें कि क्या यह करियर आपको 10-20 साल बाद भी खुशी और संतुष्टि देगा। भविष्य में नौकरी की मांग और तकनीकी प्रगति को भी ध्यान में रखें।

मानसिक स्वास्थ्य: आपकी सबसे बड़ी ताकत: करियर की दौड़ में मानसिक स्वास्थ्य को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन यह आपकी सफलता की कुंजी है। एक स्वस्थ मन ही आपको कठिन परिस्थितियों में मजबूत बनाता है। मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए निम्नलिखित उपाय अपनाएं।

तनाव को प्रबंधित करें: पढ़ाई और करियर की योजना बनाते समय तनाव होना स्वाभाविक है। लेकिन इसे नियंत्रित करने के लिए नियमित व्यायाम, ध्यान (मेडिटेशन), या योग करें। गहरी सांस लेने की तकनीक भी तनाव कम करने में मदद करती है।

सकारात्मक सोच रखें: नकारात्मक विचारों से बचें। अगर आप किसी परीक्षा या साक्षात्कार में असफल हो जाते हैं, तो इसे अंत न समझें। हर असफलता आपको कुछ नया सिखाती है। सकारात्मक दृष्टिकोण आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा।

एक समय सारणी बनाएं

संतुलन बनाएं: पढ़ाई के साथ-साथ अपने शौक और सामाजिक जीवन को भी समय दें। दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक तनाव कम होता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं।

मदद मांगें: अगर आपको लगता है कि आप तनाव, चिंता या अवसाद से जूझ रहे हैं, तो किसी विश्वसनीय व्यक्ति से बात करें। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ या काउंसलर से सलाह लेना कोई कमजोरी नहीं है, बल्कि यह आपकी ताकत को दर्शाता है।

सपनों और स्वास्थ्य का संतुलन : करियर की राह में सफलता तभी मिलेगी जब आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हों। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मेहनत करें, लेकिन अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना न भूलें। निम्नलिखित सुझाव दोनों के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद करेंगे:

समय प्रबंधन: पढ़ाई, विश्राम और मनोरंजन के लिए समय का उचित बंटवारा करें। एक समय सारणी बनाएं और उसका पालन करें।

स्वस्थ जीवनशैली: अच्छा खान-पान, पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम आपके शरीर, दिमाग को ऊर्जा देंगे।

छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं: बड़े सपनों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें। हर छोटी उपलब्धि आपको आत्मविश्वास देगी।

आभार व्यक्त करें: अपने जीवन की अच्छी चीजों के लिए आभार प्रकट करें। यह आपके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

सामान्य ज्ञान

1. जस्टिस पार्टी आंदोलन, मद्रास से कौन संबंधित नहीं है?
(ए) सी. एन. मुदालियार
(बी) टी. एम. नायर
(सी) पी. त्यागराजन चेट्टी
(डी) ज्योतिबा फूले

2. द्रविड़ कड़गम / द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के संस्थापक थे
(ए) अन्नादुरै
(बी) सी. एन. मुदालियार
(सी) टी. एम. नायर
(डी) इनमें से कोई नहीं

3. निम्न में से कौन फरवरी 1918 में स्थापित यू. पी. किसान सभा की स्थापना से संबद्ध नहीं था?
(ए) इंद्र नारायण द्विवेदी
(बी) गौरी शंकर मिश्र
(सी) जवाहरलाल नेहरु
(डी) मदन मोहन मालवीय

4. भील सेवा मंडल (1922) की स्थापना किसने की?
(ए) अमृतलाल विट्ठलदास
(बी) महात्मा गाँधी
(सी) सी. एफ. एण्ड्रूज
(डी) विनोबा भावे

5. अस्पृश्यता अपराध अधिनियम कब पारित हुआ?
(ए) 1935 ई० में
(बी) 1945 ई० में
(सी) 1955 ई० में
(डी) 1965 ई० में

6. 'आधुनिक युग का मनु' किसे कहा जाता है?
(ए) एम. जी. राणाडे
(बी) बी. आर. अंबेडकर
(सी) बी. एन. राव
(डी) महात्मा गाँधी

7. महाराष्ट्र में वासुदेव बलवंत फड़के का विद्रोह कब हुआ?
(ए) 1870 ई० में
(बी) 1875 ई० में
(सी) 1879 ई० में
(डी) 1889 ई० में

8. विशुद्ध गाँधीवादी तरीके से लड़ा गया पहला आदिवासी अहिंसक विद्रोह था
(ए) टाना भगत आंदोलन
(बी) चंपारण का नील सत्याग्नह
(सी) गुजरात का खेड़ा सत्याग्रह
(डी) इनमें से कोई नहीं

उत्तर 1.(डी) 2.(ए) 3.(सी) 4.(ए) 5.(सी) 6.(बी) 7.(सी) 8.(ए)

खबर संक्षेप

गरीब परिवारों संग मनाया रक्षाबंधन

बाढड़ा। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर रामपाल कारी और जयभगवान लाडावास ने अपनी-अपनी बेटियों के साथ कस्बे की झुग्गियों में रहने वाली बहनों संग यह त्यौहार मनाया। इस मौके पर उन्होंने बहनों और बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया। रामपाल कारी ने साधन संपन्न लोगों एवं आमजन से आह्वान किया कि समाज के ऐसे परिवारों में भी त्यौहारों को मनाने की ललक होती है।

अंग्रेजों की राह पर चल रही बीजेपी:देवराज मेहता

भिवानी। आज के दिन 9 अगस्त 1942 क़ो राष्ट्र पिता महात्मा गाँधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू एवं अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के नेतृत्व में अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत हुई थी इस आंदोलन में लाखो लोगो नें भाग लिया और इस आंदोलन नें क्रांति का शंख नाद कर दिया, इस दिन की स्मृति क़ो याद करते हुए, वरिष्ठ कांग्रेस नेता देवराज मेहता नें कहा, आज बीजेपी भी अंग्रेजो की राह पर चल कर, देश में अघोषित इमरजेंसी लगा रखी।

मलिक के निधन से देश को पहुंची क्षतिः कमल

भिवानी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर युवा छात्र संघर्ष समिति, युवा कल्याण संगठन समेत अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने शोक जताया। शोक जताते हुए युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान ने कहा कि पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन से देश को क्षति पहुंची है, जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती।

किसान जागरूकता शिविर का आयोजन

बहल। वाटर शेड स्कीम के तहत रविवार को कस्बे के श्याम भवन में किसान जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता वाटर शेड स्कीम के चेयरमैन पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल ने की। शिविर में किसानों को जहरमुक्त खेती के लिए प्रेरित किया गया और परंपरागत खेती के साथ फल, फूल और बागवानी से जुडऩे का आह्वान किया गया।

योग हमारे ऋषि-मुनियों की अमूल्य देनः सैनी

भिवानी। मिनी बाइपास स्थित दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर में नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था द्वारा प्रतिदिन सुबह 5 बजे निःशुल्क योग कक्षा आयोजित की जा रही है। यह कक्षा योगाचार्य बिजेश जावला के मार्गदर्शन और योग प्रशिक्षक सूरज बागड़ी के संचालन में करवाई जाती है, जिसकी देखरेख मंदिर प्रबंधक उर्मिला सैनी कर रही हैं।

शिविर में योग और फायर फाइटिंग का दिया प्रशिक्षण

भिवानी। एनसीसी प्रशिक्षण शिविर में सुबह के सत्र में योगा प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल थॉमस कुट्टी एनसी और सूबेदार मेजर डी गोपाल कृष्णन ने शिरकत की और बताया कि योगा एक प्राचीन भारतीय अभ्यास है, जो शारीरिक, मानसिक, और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।

तिरंगा यात्रा में गूंजे भारत माता की जय व अमर शहीदों के सम्मान के नारे

विधायक के नेतृत्व में भाजपाइयों ने शहर में निकाली तिरंगा यात्रा, उमड़ा जनसैलाब

चरखी दादरी। तिरंगा यात्रा में हिस्सा लेते नागरिक। फोटो: हरिभूमि

तिरंगा केवल झंडा नहीं बल्कि भारत की अस्मिता, गौरव और बलिदान का प्रतीक

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

विधायक सुनील सांगवान की अगुवाई में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने तिरंगा यात्रा निकालते हुए शहीदों के सम्मान को लेकर संदेश दिया। वहीं किसी भी स्थिति को देखते हुए पुलिस टीमें तैनात रही। तिरंगा यात्रा रोज गार्डन से लेकर लाला लाजपत राय चौक पर निकाली। इस दौरान भारत माता की जय शहीदों के सम्मान में नारे लगाए। यात्रा में जिलाध्यक्ष सुनील इंजीनियर के अलावा पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। दादरी शहर के रोज गार्डन से शुरू हुई तिरंगा यात्रा में क्षेत्र से पार्टी कार्यकर्ताओं के नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। यात्रा के रूट पर पूरी तरह से पुलिस सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे।विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि भारत की अस्मिता, गौरव और बलिदान का प्रतीक है, ये यात्रा राष्ट्रप्रेम को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास है। हमें गर्व है कि हम आजाद भारत में हैं, और इस यात्रा के माध्यम से हमें इस स्वतंत्रता के मूल्य को समझाने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि देश के वीर सैनिकों के कारण ही हम आज सुरक्षित रहकर आजादी की सांस ले रहे हैं।

तिरंगा यात्रा का उद्देश्य लोगों में देशभक्ति की भावना जागृत करना

- शहीदों की गौरवगाथा व बलिदान की जानकारी प्रत्येकजन तक पहुंचाने का माध्यम तिरंगा यात्रा : डॉ. पवन
- देशभक्ति एवं सामाजिक कार्यो के प्रति अन्य लोगों को प्रेरित करना उद्देश्य : चरणदास

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित साप्ताहिक कार्यक्रम के दूसरे दिन रविवार को भिवानी में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा देशभक्ति का संदेश लेकर शहर के मुख्य मार्गों से गुजरी, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। तिरंगा यात्रा को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. पवन कुमार व बालयोगी महंत चरणदास महाराज ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ट्रस्ट के महंत चरणदास ने बताया कि साप्ताहिक कार्यक्रम 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों में देशभक्ति की भावना को जागृत करना और उन्हें समाज व राष्ट्र के उत्थान के लिए प्रेरित करना है। महंत चरणदास ने बताया कि तिरंगा यात्रा के बाद कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिनमें छोटी कांशी भिवानी की परिक्रमा, मातृशक्ति सम्मान कार्यक्रम, जिला स्तरीय योग कार्यक्रम, हर घर तिरंगा अभियान, नशा मुक्ति शपथ अभियान, यज्ञ और पौधरोपण अभियान शामिल हैं। बोर्ड चेयरमैन डॉ. पवन ने कहा कि देश की आजादी में अनेक वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दी, तिरंगा यात्रा उन्ही शहीदों की गौरवगाथा व बलिदान की जानकारी प्रत्येकजन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है, ताकि प्रत्येक युवा राष्ट्रसेवा की ओर प्रेरित हो सकें। महंत चरणदास ने बताया कि यह साप्ताहिक कार्यक्रम देशभक्ति और सामाजिक कार्यो के प्रति अन्य लोगों को प्रेरित करेंगे, ताकि वे भी राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित हो सकें। इस अवसर पर भाजपा नेता राहुल शर्मा, पर्यावरण प्रहरी विजय सिंहमार, रमेश सैनी, अनिल सोलंकी, पवन सैनी, राजकुमार सैनी आदि मौजूद रहे।

भिवानी। लोगों को संबोधित करते मंत्री महीपाल ढांडा। (फाइल फोटो)

भाजपा की नीतियों को जोर-शोर से घर-घर तक पहुंचाएं कार्यकर्ता

भिवानी। जिला भाजपा कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करने मुख्य रूप से प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढ़ांडा पहुंचे तथा कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनी। इसके साथ ही शिक्षा मंत्री ने बैठक में कार्यकर्ताओं से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श किया तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जोर-शोर से पार्टी की नीतियों एवं योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं से बातचीत की। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने की। इस मौके पर भिवानी विधायक घनश्याम सर्राफ व बवानीखेड़ा विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि भी मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री महिपाल ढ़ांडा ने कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों और जन कल्याणकारी योजनाओं को जोर-शोर से घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। ढांडा ने कहा कि कार्यकर्ताओं को सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं की जानकारी हर व्यक्ति तक पहुंचानी चाहिए ताकि लोग इनका लाभ उठा सकें। शिक्षा मंत्री ने बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना ।

सकसं ने किया किसानों का समर्थन

- प्रधान दिलबाग सिंह ने कहा : किसानों की मांगे जायज, हर संघर्ष में किसानों के साथ

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

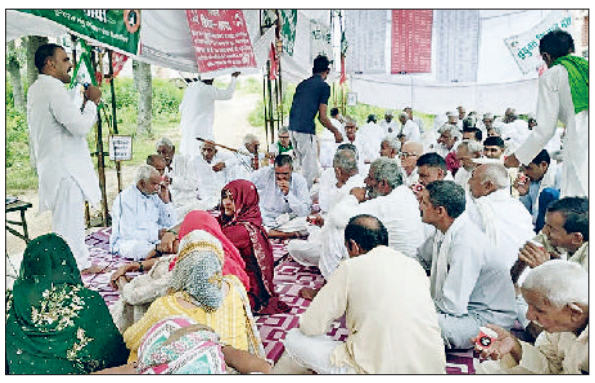

लोहारू। किसान महापड़ाव के दौरान किसानों को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेता।

पिछले 26 दिनों से लोहारू के लघु सचिवालय परिसर में करोड़ों रुपयों के बीमा क्लेम भुगतान सहित किसान हित की मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन महापड़ाव में बैठे किसानों को तोशाम सर्व कर्मचारी संघ के प्रधान दिलबाग सिंह लांबा के नेतृत्व में अनेक कर्मचारियों ने किसानों को समर्थन किया।

प्रधान दिलबाग सिंह ने कहा कि हकों लड़ाई लड़ रहे किसानों का संघर्ष व्यर्थ नही जाएगा, उनके संगठन के सभी कर्मचारी किसानों के साथ हैं। वे रविवार को लोहारू में किसानों को समर्थन देने पहुंचे थे। दिलबाग सिंह लांबा ने कहा कि करोड़ों रुपयों का बकाया बीमा क्लेम का संबंधित किसानों को भुगतान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों का यह मुद्दा संसद में भी गूंज चुका है तथा सरकार को इस मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। ताकि पीड़ित किसानों को उनका हक मिल सके। रविवार को किसान नेता रणधीर जाखड़ धारवानबास, मानसिंह सुरपूरा खुर्द, महावीर सिंह सिढ़ाण, सुरेन्द्र खरकड़ी, पृथ्वी सिंह गोठड़ा, धर्मपाल बारवास ने किया।

प्रयास संगठन ने पौधों को बांधे रक्षा सूत्र

- पौधों की सुरक्षा से मिलेगा प्रत्येक जीवन को आयाम

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

लोहारू। लोहारू के मुक्तिधाम में पौधों को रक्षा सूत्र बांधते हुए प्रयास संगठन के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो: हरिभूमि

प्रयास संगठन के सदस्यों लगातार दसवें वर्ष अपने रक्षा सूत्र अभियान को जारी रखते हुए शहर के मुक्तिधाम सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर लगाए पौधों को रक्षा सूत्र बांधा और उनके संरक्षण व सुरक्षा की जिम्मेदारी ली। संगठन के संरक्षक मा. पवन स्वामी, डॉ उमेद जांगिड़ और प्रधान महेंद्र कथूरिया ने बताया कि प्रयास संगठन पिछले करीब दस वर्षों से पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण सहित विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में काम रही है। उन्होंने बताया कि दस वर्षों के दौरान मुक्तिधाम सहित लोहारू के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर संगठन द्वारा लगाए गए पौधों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके संरक्षण की शपथ ली जाती है। उन्होंने कहा कि पौधे जीवन भर प्राण वायु के रूप में ऑक्सीजन का उत्सर्जन करके सभी जीवों के जीवन को आयाम देते हैं, उसी प्रकार हमें भी पेड़ पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी लेकर उनके जीवन की रक्षा करनी चाहिए। हरियाणा सरकार भी वृक्षाबन्धन कार्यक्रम को चला कर पौधों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए आमजन को प्रेरित कर रही है।

पेड़ बनना महत्वपूर्ण

डॉक्टर राजीव वत्स, मयंक स्वामी ने बताया कि उनके संगठन द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाओ- धरा बचाओ, पौधे लगाओ पेड़ बनाओ,सेल्फी विद ट्री,मिशन हरियाली, साँसे हो रही है कम -आओ पेड़ लगाएं हम तथा एक पेड़- एक जीवन, पौधों का जन्मदिन मनाना जैसे अभियान चलाए जाते है। हमारा मकसद केवल पौधारोपण ही नहीं है बल्कि लगाए गए पौधे पेड़ बने यह ज्यादा महत्वपूर्ण है। पर्यावरण संरक्षण हम आमजन की भी जिम्मेदारी है। इस मौके पर संगठन के अनेक सदस्य मौजूद थे।

खुले दरबार में विधायक सुनील सांगवान ने सुनीं जनसमस्याएं

चरखी दादरी। भाजपा विधायक सुनील सांगवान ने रविवार को कैंप कार्यालय में खुला दरबार लगाकर जनता की समस्याएं सुनी और उनका मौके पर ही निपटारा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान उन्होंने भूमि के लंबित मामलों व दोनों पक्षों के कोर्ट में जाने के मामलों पर भी आपसी भाईचारे से निपटाने की पहल करते हुए उनसे मामला वापस लेने की अपील की। विधायक सुनील सांगवान ने सरपंच व पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा ग्राम पंचायतों की विकास योजनाओं के क्रियान्वयन बारे विकास एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों से तेजी लाने व अधर में लटके प्रस्ताव तुरंत राज्य मुख्यालय में भेजने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि दादरी हलके के विकास के लिए आज हर क्षेत्र में करोड़ों रुपयों रुपयों की विकास योजनाएं चल रही हैं।

एसो. ने बैठक में उठाई समस्याएं

- समस्याओं के समाधान के लिए मंत्री द्वारा कमेटी के गठन के आदेश के बाद दि भिवानी रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सेक्टर-13 स्थित पार्क में रविवार को दि भिवानी रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान रामकिशन शर्मा की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक का एजेंडा प्रस्तुत करते हुए महासचिव सतवीर कौशिक ने बताया कि कष्ट निवारण समिति में बीते शुक्रवार को हुई बैठक में प्रधान रामकिशन शर्मा ने भगत सिंह चौक से सिटी स्टेशन तक सड़क का एक छोटा टुकड़ा केवल खंभा ना हटाने को लेकर निर्माण कार्य अटका पड़ा है तथा पीने का पानी कई दिनों से गंदा आ रहा है। इसके अलावा भी अन्य अनेक समस्याएं है। जिन समस्याओं से एसो. ने शिक्षा मंत्री महिपाल ढ़ांडा को कष्ट निवारण समिति की बैठक में अवगत करवाया था तथा मंत्री ने उपायुक्त को आदेश दिए थे कि एक कमेटी गठित करें तथा इन सभी समस्याओं को यथाशीघ्र संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दे और अगली बैठक में उन्हे जानकारी दी। इसी आदेश के संदर्भ में रविवार को एसोसिएशन की बैठक में कुछ मुख्य बिंदुओं पर सहमति बनी। प्रधान रामकिशन शर्मा ने कहा कि बैठक में एचएसवीपी कार्यालय जर्जरहाल में है, जो कोर्ट के पास है उसे तुरंत बनाया जाए। सैक्टर-13 व 23 में जितनी भी जगह खाली पड़ी है, जहां झाड़ियां है, वहां सफाई करवाई जाए। मकान नंबर 1909 से 1950 तक तार लगाई जाए।

बीसीएन स्पोर्ट्स अकादमी के दो खिलाड़ियों ने लहराया परचम

- पेंचक सिलाट फेडरेशन कप में प्रियांशु ने स्वर्ण व अंकित ने जीता कांस्य पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

पदक विजेता प्रियांशु व अंकित।

बीते 2 से 4 अगस्त तक लेह-लद्दाख स्थित एनएसडी इंडोर स्टेडियम में हुई 9वीं पेंचक सिलाट फेडरेशन कप-2025 में भिवानी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दो पदक जीते। कोंट रोड स्थित बीसीएन स्पोर्ट्स अकादमी के होनहार खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में जिले का नाम रोशन किया।

कोच दीपक कुमार ने बताया कि अकादमी के प्रियांशु शर्मा ने स्वर्ण पदक जीतकर भिवानी का मान बढ़ाया, वहीं अंकित नागर ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। कोच दीपक कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि जल्द ही होने वाली एशियन चैंपियनशिप के लिए प्रियांशु का चयन भी जिलावासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धि मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है।

पालुवास में विधायक ने अनेक परियोजनाओं का किया उद्घाटन

विधायक ने महिला मीटिंग हॉल का किया उद्घाटन

- गांव में साफ-सफाई के लिए ट्रैक्टर व डंपर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। हॉल बरामदा का उद्घाटन करते विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि, साथ में सरपंच प्रतिनिधि रणबीर सिंह फौजी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

गांव पालुवास में विधायक कपूर सिंह वाल्मीकी ने बाबा धुणीवाला आश्रम में हॉल कमरा, महिला मीटिंग हॉल कमरा, शैड संगीत हॉल, शैड व चबूतरा, स्टेडियम में हॉल कमरा व बरामदा का उद्घाटन किया। इसके साथ ही गांव में साफ-सफाई के लिए ट्रैक्टर व डंपर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उल्लेखनीय हैं कि रविवार को विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि गांव पालुवास में पहुंचे, जहां ग्राम पंचायत ने उनका जोरदार स्वागत किया। उनके साथ विधायक के बड़े भाई मास्टर राजेश, छोटे भाई राकेश व भाजपा नेता विनित तंवर ने भी शिरकत की। ग्राम पंचायत ने उनका भी अभिनंदन किया। विधायक कपूर सिंह वाल्मीकी ने बाबा धुणीवाला आश्रम में बाबा धुणीवाला की प्रतिमा पर मालार्पण किया और उनकी पूजा अर्चना की। इसके बाद बाबा धुणीवाला आश्रम में हॉल कमरा, महिला मीटिंग हॉल कमरा, शैड संगीत हॉल, शैड व चबूतरा, स्टेडियम में हॉल कमरा और बरामदा का उद्घाटन किया।

ग्राम पंचायत ने रखी समस्याएं

इसके साथ ही ग्राम पंचायत ने उनके समक्ष कुछ समस्याएं रखी, जिनका विधायक वाल्मीकि ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया। वहीं गांव की साफ-सफाई व कूड़ा उठाने के लिए ट्रैक्टर व डंपर को विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, ताकि गांव में अच्छी प्रकार से साफ-सफाई हो सकें। इस मौके पर विधायक के बड़े भाई मास्टर राजेश, छोटे भाई राकेश, भाजपा नेता विनित तंवर, सरपंच प्रतिनिधि रणबीर सिंह फौजी, ग्राम सचिव चित्रपाल सिंह, पूर्व सरपंच कंवरपाल सिंह, पूर्व सरपंच नरेश सिहं, पूर्व सरपंच दशरथ सिंह, पंच सतपाल, पंच ईश्वर, पंच जगदीश, पंच मुकेश, पंच संदीप, पंच रमेश, पंच ललित, पंच विनोद, पंच पवन व पंच सुंदर सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

शिविर में 210 मरीजों को जांचा

- जरूरतमंदों के लिए वरदान एवं स्वास्थ्य के प्रति सचेत करते नि:शुल्क जांच शिविर : डॉ. रुपेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। गांव चांग स्थित संत आश्रम में स्वामी मंगलानंद महाराज के साथ चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों का दल। फोटो: हरिभूमि

चांग स्थित संत आश्रम के ब्रह्मलीन स्वामी रामानंद महाराज की पुण्यतिथि पर स्वामी मंगलानंद महाराज एवं समस्त साध-संगत द्वारा रविवार को निःशुल्क नेत्र एवं मल्टी स्पेशलिटी चिकित्सा कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में पीजीआईएमएस रोहतक से डॉ. एसपीएस यादव व डॉ. हंसराज, ईएनटी सर्जन डॉ. रूपेंद्र कुमार रंगा, वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एडविन, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी शाहबाद मरकंडा डॉ. राज सिसोदिया, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सरोज रंगा, नागरिक अस्पताल से डॉ. प्रदीप, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल गोयल, छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. कुलदीप सैनी, अंचल अस्पताल से सर्जन डॉ. कृष्ण कुमार, दंत चिकित्सक सुनील ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में 210 मरीजों की शुगर, बीपी, पेशाब सहित अन्य बीमारियों की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाइयां दी।

खबर संक्षेप

विक्की खरकिया ने 9वीं बार रक्तदान किया

बवानीखेड़ा। बैरागी धर्मशाला भिवानी मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पहुंचकर विक्की खरकिया ने 9वीं बार रक्तदान किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार के निर्देशानुसार पूरे हरियाणा मे आज रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। भिवानी धर्मशाला के प्रधान कृष्ण स्वामी, उप-प्रधांन अशोक खलेरा आदि ने सहयोग किया।

लोगों को आंखों की रोशनी देना पुण्य का कार्य

चरखी दादरी। गांव जेवली के पशु अस्पताल परिसर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर का शुभारंभ माइनिंग क्रेशर एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष सोमबीर घसौला ने किया। नेत्र जांच के लिए गुरुग्राम से इंदिरा गांधी आई अस्पताल की टीम पहुंची। शिविर में करीब 725 लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया। जांच में 73 लोगों की आंखों में मोतियाबिंद पाया, जिन्हें ऑपरेशन के लिए चिन्हित कर गुरुग्राम आई अस्पताल भेजा।

लंबित मांगों को लेकर आंदोलन को करेंगे तेज

भिवानी। प्रदेश के बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी सरकार द्वारा जियो फेंसिंग लोकेशन आधारित उपस्थिति लगाने के गैर कानूनी आदेश को वापिस लेने सहित अपनी लम्बित मांगों को लेकर आंदोलन को तेज करेंगे। यह जानकारी देते हुए जारी प्रेस विज्ञप्ति में बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन की राज्य प्रधान शर्मिला देवी, महासचिव सहदेव आर्य ने दी है।

पूर्वमंत्री हीरानंद आर्य की जयंती आज मनाई जाएगी

भिवानी। फसल बीमा क्लेम आंदोलन के तहत जारी

अनिश्चितकालीन धरने के बीच पूर्वमंत्री एवं प्रख्यात किसान नेता चौधरी हीरानंद आर्य की 88वीं जयंती 11 अगस्त सोमवार को लोहारू में धरनास्थल पर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई जाएगी। संचालन कमेटी के सदस्य एडवोकेट अशोक आर्य व पृथ्वी सिंह गोठड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मौके पर चौधरी हीरानंद आर्य के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी।

डॉ. आरडी वर्मा के काव्य संग्रह कविता क्यों का हुआ विमोचन, पुस्तक में जीवन के अनुभवों का सार, जीवन के गहन अनुभवों को सरल शब्दों में पिरोती डॉ. वर्मा की कविताएं: डॉ. पवन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

पुराना बस स्टैंड स्थित बैंक्वेट हॉल में रविवार को भावुक एवं साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें केएम पब्लिक स्कूल की पूर्व प्राचार्या अलका रानी वर्मा ने अपने दिवंगत पति डॉ. आरडी वर्मा के काव्य संग्रह कविता क्यों? का विमोचन किया। कार्यक्रम स्वर्गीय डॉ. वर्मा की साहित्यिक विरासत को श्रद्धांजलि थी, जिन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा शिक्षा एवं साहित्य को समर्पित किया। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. पवन कुमार शर्मा ने शिरकत की तथा डॉ. आरडी वर्मा के साहित्यिक योगदान की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्र ने की।

डॉ. वर्मा के विचारों एवं भावनाओं का संग्रह: अलका

डॉ. आरडी वर्मा का लेखन समाज को दिशा देने वाला था

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वर्गीय डॉ. आरडी वर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पण से हुई। इसके उपरांत अलका रानी वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। हिसार की कवियित्री पूनम मनचंदा ने सरस्वती वंदना की। वहीं गीता सिंह, डॉ. पुरुषोत्तम पुष्प, मनचंदा हिसार, डॉ. रमाकांत शर्मा ने कविता पाठ किया। मुख्यअतिथि बोर्ड के चेयरमैन डॉ. पवन ने कहा कि डॉ. आरडी वर्मा का लेखन समाज को दिशा देने वाला था और उनकी कविताएं जीवन के गहन अनुभवों को सरल शब्दों में पिरोती है। स्वर्गीय डॉ. आरडी वर्मा की धर्मपत्नी अलका रानी वर्मा ने विमोचन को भावनात्मक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि ये पुस्तक डॉ. वर्मा के उन विचारों और भावनाओं का संग्रह है, जिन्हें वे हमेशा दुनिया के साथ सांझा करना चाहते थे। इस काव्य संग्रह को प्रकाशित करना उनके पति के प्रति उनकी जिम्मेदारी थी, ताकि उनके शब्द हमेशा जीवित रहे। उन्होंने कहा कि उनके पति के जीवित रहते इस पुस्तक के विमोचन को लेकर कार्य लगभग पूरा हो चुका था, मात्र प्रकाशन ही शेष था, लेकिन उनके असामयिक निधन के चलते विमोचन नहीं हो सका था। सभी अतिथियों ने मिलकर पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम में मंच संचालन रमाकांत शर्मा व पुरूषोत्तम पुष्प ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर प्राचार्य त्रिलोकचंद, सुरेन्द्र शर्मा, अशोक गोगिया, सुरेश धायल, मुकेश यादव, भागीरथ शर्मा, अधिवक्ता एसपी शर्मा, सुनीता शर्मा, अधिवक्ता जोगिंद्र तंवर, सुधा चौहान, आरएन सांगवान, विनीत कुमार, सुमन तंवर, आत्मप्रकाश शर्मा आदि मौजूद रहे।

भिवानी। काव्य संग्रह कविता क्यो का विमोचन करते हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. पवन कुमार, अलका रानी वर्मा व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

गांव की हर छोटी बड़ी समस्या ही नहीं सकारात्मक सुझावों को किया जाता ग्रुप में शेयर

क्लब ने नांगल गांव की स्वच्छता को लगाए पंख, सेल्फी प्वाइंट बनता जा रहा बस स्टैंड

गांव में पशुओं के लिए 100 फुट से भी लंबी खैल बनाने व खेल स्टेडियम को ठीक किया गया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। क्लब एवं ग्रामीणों के सहयोग से बनाया गया गांव नांगल का बस स्टैंड व गांव के विकास के लिए पड़ौसी गांव के सामाजिक संस्था व क्लब के सदस्यो के साथ विचार विमर्श करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

करीब 24 माह पहले गठित श्रीश्याम दीवाना मंडल की पॉजिटीव सोंच व पहल के सकारात्मक परिणाम आने शुरू हो गए। बिना किसी सरकारी सहयोग के उक्त क्लब के सदस्यों ने नांगल गांव की स्वच्छता को पंख लगा दिए। क्लब के सदस्यों ने ग्रामीणों के सहयोग से ऐसा बस अड्डा तैयार किया कि वहां से गुजरने वाले हर व्यक्ति बस स्टैंड के साथ सेल्फी लेने के लिए लालायित हो रहे है। क्लब के सदस्यों व ग्रामीणों के सहयोग से गांव का बस स्टैंड ही नहीं बल्कि, बस स्टैंड तक लगभग डेढ़ किलोमीटर पीने के पानी की व्यवस्था करने के लिए पाईप लाईन दबाने, गांव में पशुओं के लिए 100 फुट से भी लंबी खैल बनाने व खेल स्टेडियम को ठीक करने सहित गांव के कम्यूनिटी हॉल को अत्याधुनिक रूप देने का कार्य को बगैर किसी सरकारी सहायता के पूरा कर चुके है। गांव के युवाओं के इसी बढ़ते जोश को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से आसपास के पांच गांवों के सेवा कार्यो से जुड़े युवा क्लब, युवा मंच व युवा मंडलों के प्रतिनिधियों ने गांव नांगल में पहुंचकर एक दिवसीय सामाजिक कार्य जागरूकता कैंप का आयोजन किया तथा गांव के युवाओं को आपसी सहयोग से ग्रामीण विकास को लेकर प्रशिक्षण दिया। ताकि गांव के विकास में पॉजिटीव सोंच के साथ ओर आगे बढाया जा सके। इस कार्यक्रम के आयोजक गांव के श्रीश्याम दीवाना मंडल द्वारा किया गया। इस मौके पर मंडल के अध्यक्ष सत्यवान ने बताया कि गांव के युवाओं को सामाजिक सरोकार से जोडने के उद्देश्य से युवाओं ने अपने सामाजिक कार्यो को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण लिया है। गांव के युवा गांव के बस स्टैंड का निर्माण, बस स्टैंड तक लगभग डेढ़ किलोमीटर पीने के पानी की व्यवस्था करने के लिए पाईप लाईन दबाने, गांव में पशुओं के लिए 100 फुट से भी लंबी खैल बनाने व खेल स्टेडियम को ठीक करने सहित गांव के कम्यूनिटी हॉल को अत्याधुनिक रूप देने का कार्य को बगैर किसी सरकारी सहायता के पूरा कर चुके है। जिसके चलते अब गांव के हर वर्ग के लोग उन्हे सहयोग देते है तथा गांव में आपसी सामंजस्य का भाव बढ़ा है। जिसके चलते अन्य गांव के क्लब के अनुभवी लोग भी ना केवल इस कार्य को देखने के लिए पहुंचते है, युवाओं को ट्रेनिंग भी दे रहे है।

व्हाट्सएप ग्रुप में सामूहिक समस्या व सुझाव करते है शेयर

क्लब के सदस्यों ने बताया कि ग्रुप के साथ अधिकांश पॉजिटीव सोंच वाले लोग जुड़े हुए है। जो गांव का विकास चाहते है। जब भी गांव की कोई बड़ी समस्या होती है तो वे ग्रुप में शेयर कर देते है। ग्रुप में ही मौजिज लोग व शिक्षाविद उस समस्या के समाधान के बारे में अपने अपने सुझाव देते है। जो सही सुझाव लगे उसको अपनाकर समस्या का जल्द निराकरण कर देते है। ऐसे ही अगर गांव के विकास या स्वच्छता या किसी सामूहिक कार्य के करवाने की बारी आती है तो वे ग्रुप से जुड़े लोगों से सुझाव मांगते है और उस आधार पर सामूहिक कार्य करवाए जाते है। जिस वजह से गांव के विकास में पंख लगने लगे है।

सहयोग व समर्थन से बढ़ रहें हैं आगे

सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्र प्रसाद व प्रमोद ने बताया कि आज के इस कार्यक्रम के माध्यम से गांव नांगल आस-पास के क्षेत्रों में ऐसे गांव के रूप में विकसित हुआ है, जहां के युवा सामाजिक कार्यो में काफी सहभागिता निभाते है तथा गांव के सभी वर्गो के लोग भी उन्हे निःसंकोच समर्थन व सहयोग देते है। जिसके चलते इन युवाओं ने गांव में काफी विकास कार्य करवाएं है। इन्हीं कार्यो को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को ग्रामीण विकास की शिक्षा, सेवा, चिकित्सा, स्वावलंबर, वृक्षारोपण, पॉलिथीन मुक्त गांव बनाने, गांव की सफाई व नशोखोरी, पारिवारिक सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें गांव के युवाओं ने बढ़-चढकर भाग लिया।

488 स्कूलों में अध्यापक निपटा रहे क्लेरिकल कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

- क्लर्क से लेकर सुप्रीडेंट तक पद रिक्त होने से शिक्षा विभाग की फाइलें अटकी

हेमसा अध्यक्ष संदीप सांगवान।

कहने को तो शिक्षा विभाग हर कार्य व फाइल समय पर निपटाने का दावा कर रहा है,लेकिन हकीकत कोसों परे है। विभाग में क्लर्कों के टोटे में टीचर से क्लेरिकल का कार्य लिया जा रहा है। जिस वजह से उन स्कूलों का शिक्षण का कार्य अटक रहा है। प्रदेश में इस तरह के करीब 488 स्कूल है। जिनमें लिपिकों के पद रिक्त होने की वजह से उनकी जगह शिक्षक कार्य निपटा रहे है। मसलन शिक्षकों की तनख्वाह व अन्य आर्थिक कार्य पूरे करवाए जाना शामिल है। इस दौरान क्लेरिकल कार्य निपटाने वाले लिपिक को हर माह चार से पांच बार डीईओ या डीईईओ कार्यालय में भी किसी कार्य से जाना पड़ता है तो उस दिन बच्चों की पढाई पूरी तरह से प्रभावित हो जाती है। अगर सभी स्कूलों में लिपिक नियुक्त हो तो उनकी जगह शिक्षकों को कार्य करने की जरूरत ही नहीं होगी। इस बारे में कई बार लिपिकों व शिक्षकों ने मांग भी उठाई,लेकिन आज तक उनकी इन मांगों व बातों पर ध्यान ही नहीं दिया गया है।

बीच की कड़ी टूटी

कोई भी योजना या कार्य कड़ी जुड़ने के बाद ही मुक्कमल हो सकता है,लेकिन शिक्षा विभाग में क्लर्क से लेकर सुप्रीडेंट के बीच की कड़ी ही गायब है। ऐसे में किस तरह से तालमेल बैठाकर सरकारी योजनाओं को अंतिम रूप दिया जा सकता है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार शिक्षा विभाग 468 पद सहायकों के है,जिनमें से 185 पदों पर कोई भी सहायक नहीं है। क्लर्क व डिप्टी सुप्रीडेंट के बीच की कड़ी सहायक को माना जाता है। प्रस्तावित योजना का खाका क्लर्क तैयार करता है।

शिक्षण सहित अनेक कार्य हो रहे हैं प्रभावित

हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संदीप सांगवान ने बताया कि विभाग व स्कूलों में लिपिकों के अनेक पद रिक्त होने की वजह से शिक्षकों के अनेक कार्य लेट हो रहे है। चूंकि जिस स्कूल में लिपिक नहीं है। उन शिक्षकों के पे व अन्य आर्थिक कार्य किसी एक शिक्षक को करने पड़ रहे है। जिस वजह से उस शिक्षक का पढाई का कार्य पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है। इसी तरह सहायक, डिप्टी व सुप्रीडेंट के पद रिक्त है। जिनकी वजह से शिक्षक व गैर शिक्षकों अनेक के कार्य पूरे होने में देरी हो रही है। उनको बार बार जिला शिक्षा या मौलिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते है। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन ने यह मांग कई बार उठाई है,लेकिन अभी तक उनकी इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि अगर जल्द इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो एसोसिएशन अनिश्चतकालीन आंदोलन चलाने पर मजबूर होगी।

शिक्षा विभाग की अफसरशाही फील्ड मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मचारियों के शोषण का आरोप

भिवानी। शिक्षा विभाग की अफसरशाही फील्ड मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मियों का लगातार शोषण कर रही है। शिक्षा विभाग फील्ड में लगातार वर्कलोड बढ़ रहा है, पद खाली है, ना ही कोई भर्ती तथा ना ही पदोन्नतियां। फील्ड में सहायक, आंकड़ा सहायक, उपाधीक्षक, अधीक्षक के लगभग 50 प्रतिशत पद खाली पड़े है। पदोन्नति फाईलें भी अफसरशाही की टेबल पर पड़ी है, लेकिन अफसरशाही टस से मस नहीं हो रही। आंदोलन व प्रदर्शन करने पर मात्र आश्वासन देकर अपना पल्ला झाड़ लेते है। हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन संबंद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेश लांबा, सचिव सुमन रानी, जिला प्रधान सुकेश कुमार, सचिव कृष्ण रूपाणा ने बताया कि फील्ड मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मियों के पदोन्नति व अन्य मामले काफी लंबे अरसे से पड़े है। पदोन्नति के अभाव में मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मी रिटायर हो रहे है। समय पर पदोन्नति ना की जानी विभाग की गलती है, लेकिन सजा पात्र कर्मी भुगत रहा है।

योग में बच्चों ने दिखाया दमखम

- चंपापुरी के हिंदी संस्कृत महाविद्यालय में जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

शहर के रोहतक रोड पर स्थित चंपापुरी के हिंदी संस्कृत महाविद्यालय में जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों बच्चों ने भग लिया। विजेता खिलाड़ियों को मेडल से सम्मानित किया गया। विजेता अब राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता में दादरी का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में 8 से 10 आयु वर्ग में मानुषी प्रथम स्थान पर रही और 10 से 12 आयु वर्ग में हर्षित प्रथम और दूसरे स्थान पर रोनित रहा। वहीं 12 से 14 आयु वर्ग में पहले स्थान पर अभय, दूसरे स्थान पर युवराज और तीसरे स्थान पर बलराज व यशराज रहा। जबकि 14 से 16 आयु वर्ग में लड़कियों में प्रथम दिव्या और लड़कों में प्रथम राहुल, द्वितीय सचिन और तृतीय स्थान पर दीपक रहा। आयु वर्ग 16 से 18 में शुभम प्रथम, द्वितीय यश और रौनक तीसरे स्थान पर रहा। 18 से 21 आयु वर्ग में प्रथम स्थान पर राहुल 21 से 25 आयु वर्ग में अभिषेक, 25 से 30 आयु वर्ग में लड़कों दिनेश प्रथम तो अजय द्वितीय स्थान पर रहा और लड़कियों में आशा प्रथम रही। 30 से 35 आयु वर्ग में योगिता प्रथम और लड़कों में जितेंद्र कुमार, द्वितीय राजवीर सिंह और तृतीय स्थान पर मनोज रहा। आयु वर्ग 35 से 40 में लड़कों में धर्मेंद्र प्रथम, आयु वर्ग 35 से 45 में जागृति प्रथम, रेनू द्वितीय, आयु वर्ग 45 प्लस में दिनेश शास्त्री प्रथम और द्वितीय स्थान पर सत्यवान रहे।

चरखी दादरी। योगासन प्रतियोगिता में हिस्सा लेते बच्चे। *फोटो: हरिभूमि*

प्रेमनगर कॉलोनी के लोगों ने सांसद धर्मबीर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

प्रेमनगर कॉलोनी के लोगों ने सांसद धर्मबीर सिंह को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कॉलोनी को वैध करवाने की मांग रखी, जिसपर सांसद ने आश्वासन दिया कि उनकी मांग को प्रदेश सरकार के समक्ष रखा जाएगा। शहर को प्रेमनगर कालोनी निवासी जयप्रकाश व प्रकाश फौगाट के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सांसद धर्मबीर को ज्ञापन देते हुए कहा कि पिछले तीन दशकों से प्रेमनगर कॉलोनी में सरकार द्वारा बिजली-पानी, सीवरेज व्यवस्था तो कर रखी है, लेकिन कालोनी अभी तक अवैध कालोनियों की श्रेणी में शामिल है। उन्होंने कहा कि कॉलोनी की शत-प्रतिशत जमीन पर मकान बन चुके हैं, जो सभी शर्तें पूरी करते हैं। इसके बावजूद अब तक कॉलोनी अवैध है। कॉलोनीवासियों ने अनेक बार अधिकारियों से इस बारे में अवगत करवाया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों को अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सांसद से गुहार लगाई कि जल्द ही उनकी इस समस्या का समाधान करवाया जाए। सांसद धर्मबीर सिंह ने आश्वासन दिया कि जल्द ही उनकी मांग को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा। इस अवसर पर रामफल फौगाट, अशोक फौगाट, जयसिंह, विजय ठेकेदार, सत्यवान नंबरदार, कृष्ण कोच, सुरेश अजमेरिया, अजय हुड्डा, धर्मवीर फौगाट आदि मौजूद थे।

चरखी दादरी। सांसद धर्मबीर सिंह को ज्ञापन देते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सैं.मी 10X 8 सैं.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

कई बार शिकायत के बाद शिक्षा विभाग का नहीं पसीजा दिल

मांढी केहर के विद्यालय का भवन जर्जर, जान जोखिम में

- विद्यालय की आधे भवन की छत जगह-जगह से टपक रही है

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढड़ा

लगता है कि जिला प्रशासन किसी अप्रिय घटना के इंतजार में है। क्योंकि गांव मांढ़ी केहर में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय के भवन का आधा हिस्सा जर्जर स्थिति में है,जिससे छात्रों और शिक्षकों की जान को खतरा बना हुआ है। कई बार शिकायत के बावजूद भी बच्चों को इसी भवन में बैठाया जा रहा है। विडंबना यह है कि अभिवाकों द्वारा लगातार मांग उठने के बावजूद प्रशासन व शिक्षा विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। विद्यालय की आधे भवन की छत जगह-जगह से टपक रही है, दो कमरे अनेक बार मांग उठाए जाने के बाद गिरा तो दिए परंतु अभी तक न तो उनकी जगह कमरे बने और चार दिवारी ना होने से आवारा कुत्ते भी स्कूल प्रांगण में घुस आते हैं जिनसे स्टाफ और बच्चों को दो चार होना पड़ता है ।

बाढडा। बाढ़ड़ा स्कूल के भवन की छत में निकले सरिए व गांव मांढ़ी केहर में कंडम स्कूल भवन। *फोटो: हरिभूमि*

ग्रामीण बोले-कोई सुनवाई नहीं

ग्रामीण राजेश कुमार, कुलदीप मान,सुंदर सिंह श्योराण, पूर्व बीडीसी प्रदीप कुमार,सुरेंद्र, नरेंद्र आदि ने बताया कि इस मामले की शिकायत कई बार प्रशासन को कि जा चुकी है। बच्चों की जान जोखिम में है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। शिकायत के बावजूद अभी तक न तो मरम्मत कराई गई और न ही किसी वैकल्पिक भवन की व्यवस्था हुई। जिसके चलते आज भी गांव के बच्चे इसी जर्जर स्कूल में भवन में अपना भविष्य संवार रहे है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन मौन हैं इसके विपरित बच्चे असुरक्षित हैं। अभिभावकों का कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे स्कूल बंद करवाने और उच्च अधिकारियों से मिलने के लिए आंदोलन करने को मजबूर होंगे। अभिवावकों के सामने समस्या बनी हुई वो अपने बच्चों को डरते हुए स्कूल भेजते है। शिक्षा का यह हाल है तो इसे विकास नहीं कहा जा सकता।

भाजपा द्वारा आज निकाली जाएगी शहर में तिरंगा यात्रा

भिवानी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शहीदों के सम्मान में शुरू की गई हर घर तिरंगा अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई द्वारा 11 अगस्त को शहर में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ तथा अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक करेंगे। यह जानकारी देते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने बताया कि यह तिरंगा यात्रा नेहरू पार्क शहीद स्थल से प्रातः 9 बजे शुरू होकर विभिन्न मुख्य चौराहों व बाजारों से से होती हुई लोहड बाजार में संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि तिरंगा यात्रा में शामिल प्रत्येक व्यक्ति अपने हाथों में तिरंगा लेकर देश की एकता व अखंडता को बनाए रखने के संदेश को मजबूती देंगे।